पहले किसान अब अधिकारी परेशान

लखनऊ, 2 फरवरी (जासं): पिछले महीने खाद को लेकर किसानों और सहकारी समितियों के सचिवों के बीच हुए हंगामे के बाद किसानों को मांग के सापेक्ष खाद उपलब्ध करा दी गई। खाद मिलने से किसानों की परेशानी तो दूर हो गई लेकिन अब खाद को लेकर अधिकारियों की परेशानी बढ़ गई। सहकारी समितियों पर खाद का स्टाक बढ़ गया लेकिन किसान खाद लेने नहीं आ रहे हैं।

जिले में 85 सहकारी समितियों के साथ कुल 112 समितियां हैं जहां किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाती है। समितियों के गोदामों में 4100 टन उर्वरक का स्टाक लगा हुआ है।

• सहकारी समितियों पर घटी उर्वरक की मांग

जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्र ने बताया मांग के सापेक्ष खाद मगा ली गई है। उन्होंने बताया कि गेहूं में बालियां निकल रही हैं। ऐसे में किसान खेत में खाद का छिड़काव करें।

गन्ने की बुआई का समय

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि ऐसे किसान जो गन्ने की बुआई नहीं कर सके हैं वे 15 फरवरी तक बुआई कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात यह है कि वातावरण का तापमान बढ़ेगा ऐसे में गन्ने बुआई करने वाले गन्ने के टुकड़े में बढ़ोतरी अवश्य करें।

कृषि विशेषज्ञों ने भ्रमण किया

रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में गन्ने के उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए विकसित की गई खास तकनीकों के बारे में विशेषज्ञों ने गुरुवार को वैज्ञानिकों से जानकारी ली। भ्रमण करने आए कृषि विवि धारवाड़ के पूर्व कुलपति डॉ. महादेवप्पा ने संस्थान के प्रयास की सराहना की। निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने पूर्व कुलपति को संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसएन सिंह ने इससे किसानों को होने वाले फायदों के बारे में भी बताया।

'गन्ना उत्पादन के लिये केन नोड तकनीकी अधिक उपयोगी'

लखनऊ (सं.)। विख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं पूर्व अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली तथा पूर्व कुलपति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ कर्नाटक ने आज भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। डा. महादेवप्पा ने संस्थान में चल रही गन्ना आधारित विभिन्न शोध परियोजनाओं विशेषकर कम लागत पर अधिक गन्ना उत्पादन हेतु संस्थान द्वारा विकसित केन नोड तकनीकी को प्रक्षेत्र पर जाकर विधिवत रूप से देखा एवं अत्यधिक प्रशंसा की।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने डा. महादेवप्पा को अवगत कराया कि सामान्यता पारम्परिक विधि से गन्ना उत्पादन में तीन-तीन आंख के टुकड़े बोने पर 60-80 कुंतल प्रति हेक्टेयर बीज गन्ने की आवश्यकता होती है जो कि उत्पादन लागत का 22-25 प्रतिशत होकर ज्यादा खर्चीला हो जाता है।

डा. सोलोमन ने आगे बताया कि संस्थान द्वारा विकसित केन नोड तकनीकी द्वारा पारम्परिक विधि से बोये जाने वाले बीज गन्ने का मात्र 10 प्रतिशत भाग प्रयोग में लाकर गन्ना जमाव अवधि कम करते हुए प्रति इकाई क्षेत्रफल एवं समय में पौध संख्या में समरूपता एवं अधिकता लाते हुए कम लागत पर ज्यादा गन्ना एवं चीनी का उत्पादन किया जा सकता है। डा. महादेवप्पा ने इस विधि से विकसित गन्ने की फसल देखी तथा संस्थान के निदेशक को इस विशिष्ट उपलब्धि पर अपनी बधाइयां दीं। डा. महादेवप्पा ने आगे बताया कि उपुर्यक्त लाभों के अतिरिक्त यह तकनीकी गन्ने की नवीन प्रजातियों के त्वरित बीज गन्ना उत्पादन, पैकेजिंग, बीज गन्ने को सुगमतापूर्वक दूरस्थ स्थानों तक ले जाने में तथा धान एवं गेहूं की कटाई के बाद विलम्बित गन्ना बुवाई में उपयोगी होने के साथ ही साथ बीज गन्ना प्रमाणीकरण में आने वाली बाधा को दूर करने में भी अति उपयोगी होगी। डा. महादेवप्पा ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र का भी भ्रमण किया।

स्वतँत्र भारत (लखनऊ) 03.02.2012

101 couples tie eternal knot

Like every year, Sahara India Pariwar solemnized 101 marriages of girls coming from the weaker section in its annual event 'Samuhik Vivah Samaroh'. The event witnessed 101 weddings. This year, 90 Hindus, 7 Muslims, 2 Sikhs and 2 Christian couples tied the knot. For the 101 marriages every year, Sahara invites applications from bride and groom families who can not bear the cost of marriage by themselves.

Visited: M Mahadevappa, agricultural scientist and former chairman, agricultural scientists recruitment board, New Delhi visited Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), Lucknow, on Thursday. He appreciated ongoing research projects including crop grown with IISR cane node technology developed for maximising sugarcane and sugar production with reduced cost.

Camp: Asthma and COPD camp was organized in general hospital, SGPGIMS, by medicine and pediatrics specialists. The camp was for both the adult and pediatric staff of PGI staff and outsiders. The patients were taught the correct technique to use inhalers and spacers.

Observed: World cancer day will be observed on Saturday at Vivekanand Polyclinic and institute of medical sciences under the supervision of Dr Neeraj Tandon, HOD, Oncology department of the institute. A lecture has been arranged to inform people about early signs and symptoms of cancer and its prevention.